

# पवन प्रवाह

सत्य का प्रवाह सतत् प्रवाह

डाक पंजीयन संख्या GPO LW/NP-106/2015-17

वर्ष 04 अंक 12 लखनऊ। सोमवार 11 से 17 दिसम्बर-2017

e-mail-pawanprawah@gmail.com

मूल्य : तीन रुपये पृष्ठ-16

6

लखनऊ। सा. सोमवार 11 से 17 दिसम्बर-2017

विविध प्रवाह

www.pawanprawah.com  
e-mail-pawanprawah@gmail.com

पवन प्रवाह

## प्राणिक ऊर्जा-थीटा हीलिंग उपचार



**लेखक डॉ. भरत राज सिंह**  
स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के महानिदेशक  
एवं वैदिक विज्ञान केन्द्र के अध्यक्ष हैं

छत्ते 28 (अट्टाईस) अंकों में हमने भौतिक शरीर में ऊर्जा का संचार व उससे उत्पन्न ऊर्जा (आभा), जो भौतिक शरीर के कुछ क्षेत्र तक प्रभावी रहती है तथा प्राण के स्रोत, रंग प्राण व उसमें मुख्यतः प्राणिक ऊर्जा (शक्ति) किसे कहते हैं व क्या लाभ है, भौतिक शरीर में चक्रों का क्या महत्व है व इससे शरीर की ऊर्जा का संतुलन कैसे प्रभावी होता है: ऊर्जा (आभा) के परत, उनका महत्व और उससे शारीरिक स्वास्थ्य में, क्या लाभ होगा, तथा शारीरिक रोगों के निदान में प्राणिक उपचार (हीलिंग), ऊर्जा के सात चक्रों को जाग्रित करने के बारे में तथा मौलिक उपचार के लिए स्तर-I व विशिष्ट उपचार स्तर-II में प्रत्यक्ष ऊर्जा के लिए विजुअलाइजेशन व अवरूद्ध चक्र, औरिक ऊर्जा की अशुद्धिया, आभा और चक्रों के गूढ़ ज्ञान, सहज ज्ञान से आभा और चक्रों को पहने की जानकारी से पूर्णतः अवगत हुये थे। इस अंक में, थीटा हीलिंग के बारे में जाकारी दी गई है।

**29.0 थीटा हीलिंग:** यह हम सभी जानते हैं कि मनुष्य का मस्तिष्क उसके शरीर का एक महत्वपूर्ण अंग है जो याददाश, निर्णय क्षमता, संवाद व कार्य सम्पादन हेतु महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मस्तिष्क की क्षमता व कार्यशीलता की माप के लिए विभिन्न तरीके अपनाये जाते हैं जिसमें मस्तिष्क तरंगों की फ्रीक्वेंसी को, एक साथ विभिन्न कार्यों को करने में तारतम्य बनाना तथा मस्तिष्क के बायें-दायें और आगे-पीछे को एक दूसरे से जोड़ने में भागीदार पाये जाते हैं।

**29.1 मस्तिष्क के सम्बन्ध में कुछ मौलिक तथ्य:** मस्तिष्क के सम्बन्ध में कुछ मौलिक तथ्य जानना उपयोगी होगा जिसे नीचे दिया जा रहा है:-

- हमारे मस्तिष्क 100 बिलियन न्यूरॉन्स होते हैं, जो असंख्य तंत्रिकाओं से जुड़े हैं।
- मस्तिष्क का आकार उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना कि असंख्य तंत्रिकाओं का मस्तिष्क



को सही रूप में कार्य करने में प्रभावी योगदान होता है।

- मस्तिष्क में बायां व दायें भाग अर्द्धगोलाकार होता है तथा मस्तिष्क के इन अर्द्धगोलाकारों की अलग-अलग कार्य प्रणाली होती है। ये गोलाकार शरीर के विपरीत दिशा के अंगों पर नियंत्रण करते हैं।

- मस्तिष्क का वजन लगभग 3 पाउण्ड होता है जो मनुष्य के शरीर का वजन का मात्र 2 प्रतिशत होता है। परन्तु मस्तिष्क के सुचारु रूप से कार्य करने हेतु 20 से 25 प्रतिशत ऑक्सीजन व खून की आवश्यकता होती है।
- मस्तिष्क ही शरीर के विभिन्न अंगों का संचालन व नियंत्रण करता है।
- मस्तिष्क में लगभग 100 मिलियन किताबों के आंकड़ें जमा करने की क्षमता होती है।

**29.2 मस्तिष्क तरंगों के क्षमता (फ्रीक्वेंसी) माप:** मस्तिष्क तरंगों के माप को 4 भागों में बांटा जा सकता है:-

(i) **बीटा तरंग:** सामान्यतः मस्तिष्क में बीटा तरंग 15-30 हर्टज की फ्रीक्वेंसी के बीच आती है इससे मस्तिष्क जागृत रहता है और दैनिक कार्यकलाप व पूर्ण चेतन अवस्था भी उत्पन्न रहती है।

(ii) **अल्फा तरंग:** अल्फा तरंगों की सीमा 9-14 हर्टज होती है इससे मस्तिष्क को आराम मिलता व शान्ति दशा प्रदान होती है। मस्तिष्क की यह दशा मेडिटेशन व क्रियेटिव कार्य हेतु अति उपयोगी होती है।

(iii) **थीटा तरंग:** थीटा तरंग 4-8 हर्टज होती है इसे दशा में मस्तिष्क गहरे रिलेक्सेशन, मेडिटेशन तथा इन्ट्यूटिव दशा में रहता है।

(iv) **डेल्टा तरंग:** इन तरंगों की सीमा 1-3 हर्टज होती है इस दशा में हमारा मस्तिष्क बिना स्वप्न के गहरी नींद व गहरे मेडिटेशन के स्थिति में शरीर को पहुँचाता है।

इस प्रकार की जब अल्फा तरंग की सीमा में हमारा मस्तिष्क रहता है तो हम अत्यधिक क्षमता से कार्य सम्पादित करते हैं। इसी दिशा में अच्छे क्रियेटिव एवं इन्स्पायरिंग कार्य होते हैं। और जब थीटा तरंग की सीमा में हमारा मस्तिष्क रहता है तो हम गहरे रिलेक्सेशन, मेडिटेशन तथा इन्ट्यूटिव दशा में पहुँच जाते हैं।

**29.3 थीटा हीलिंग उपचार तकनीक:** थीटा हीलिंग उपचार को एक तकनीक है जो हमारे अस्तित्व के आणविक स्तर पर काम करती है, इसे क्रांति यांत्रिकी के व्यावहारिक प्रयोग के रूप में भी उल्लिखित किया गया है।

(अ). **क्या है थीटा हीलिंग:** यह उपचार की एक तकनीक है जो हमारे अस्तित्व के आणविक स्तर पर काम करती है और इसको क्वांटम यांत्रिकी के व्यावहारिक प्रयोग के रूप में भी बताया गया है। जब आप इस उपचार को सीखते हैं, तो आप चेतना के उस स्तर पर पहुँचने के लिए थीटा ब्रेनवेव के इस्तेमाल को पूरी तरह जान लेते हैं। इसके कारण ही आपकी भावनात्मक, मानसिक, आध्यात्मिक या शारीरिक वास्तविकता तुरंत बदल जाती है। उपचार की इस तकनीक को विस्तार से जानने की जरूरत है।

(ब). **थीटा हीलिंग की शुरुआत:** उपचार के इस तकनीक की शुरुआत उन्नीसवीं शदी के आठवें दशक में यानी 1980-90 के मध्य में विआना स्ट्राइबल जो कि एक नेचुरोपैथ, मसाज थेरेपिस्ट और इन्ट्यूटिव रीडर थी,

उन्होंने 10 साल की अवधि में थीटा उपचार को विकसित किया था। कई सालों तक विआना ने अपने इस ज्ञान को और परिष्कृत किया फिर इसका सही तरीके अभ्यास भी किया। वर्तमान में विआना पूरे विश्व के लोगों को थीटा उपचार का प्रशिक्षण देती है, ताकि उपचार की इस तकनीक का फायदा अधिक से अधिक लोगों को मिल सके।

(स). **प्रयोग कितनी बार कर सकते हैं :** थीटा हीलिंग का प्रयोग आप बार-बार कर सकते हैं। यह एक साधारण, व्यावहारिक, प्रत्यक्ष तकनीक है जिसे आसानी से सीखा जा सकता है और बार-बार इस्तेमाल करने से इस तकनीक को सुधारा भी जा सकता है। आप इस उपचार का जितना उपयोग करेंगे, उतना ही आप अपने आसपास की रोजमर्रा की चीजों के प्रति जागरूकता और साथ ही साथ अमूर्त दुनिया के प्रति अचेतन चेतना महसूस करेंगे।

(द). **कौन सीख सकता है :** थीटा हीलिंग तकनीक बहुत ही आसान है और इस तकनीक को कोई भी सीख सकता है। चाहे आप निजी विकास कर रहे हों, इसके चिकित्सक हों या सिर्फ इसके प्रति उत्सुक हों, आप इसे आसानी से सीख सकते हैं। मनोचिकित्सा, कोचिंग, एनएलपी, रेकी, प्राकृतिक चिकित्सा और अन्य वैकल्पिक चिकित्सा के चिकित्सक ने पाया कि थीटा उपचार उनके द्वारा किए जा रहे उपचार का ही प्राकृतिक विस्तार है। उन्होंने अच्छे परिणामों के लिए आसानी से अपने काम में थीटा उपचार की तकनीकों को शामिल भी किया।

(घ). **सामान्य लोगों के लिए:** यह तकनीक चिकित्सा में दक्ष लोगों के लिए नहीं है, बल्कि यह एक सामान्य तकनीक है जिसे कोई भी

आसानी से सीख सकता है। न्यायधीश, कॉर्पोरेट पृष्ठभूमि वाले लोग, छात्र, अभिभावक और बहुत सारे लोगों ने, जो जीवन के अलग अलग क्षेत्र से हैं, थीटा उपचार की इस तकनीक को सीखा हुआ है। वे इसका इस्तेमाल अपने रोजमर्रा के निजी और दफ्तर के काम को बेहतर बनाने के लिए करते हैं। इसके अलावा, कई लोग थीटा उपचार के चिकित्सकों और प्रशिक्षकों के पास भी जाते हैं।

(र). **इसका इस्तेमाल कहाँ-कहाँ कर सकते हैं:** थीटा हीलिंग की संभावनाएं अनंत हैं, इसकी संभावनाओं की सीमा आपकी कल्पना, आपका अवचेतन मन है। उदाहरण के लिए, संबंधों में दरार, पब्लिक स्पीकिंग के लिए आत्मविश्वास बढ़ाना, नई नौकरी को बचाने में मदद, खुद की क्षमता को बढ़ाना और व्यावसायिक संबंधों को मजबूत करना, आदि के लिए इस तकनीक का प्रयोग कर सकते हैं। अपने दोस्तों और परिवार, यहां तक की जानवरों पर भी थीटा उपचार का उपयोग कर सकते हैं।

(ल). **यह कैसे काम करता है :** थीटा हीलिंग के दौरान आप थीटा ब्रेनवेव का इस्तेमाल करके ब्रह्मांड की चेतना के साथ जुड़ जाते हैं। यह एक प्रकार की अदृश्य ऊर्जा है जिसके बारे में ये माना जाता है कि इससे ही संसार की रचना हुई और इससे ही सौर मंडल का संचालन होता है। थीटा उपचार चिकित्सक उन अचेतन विश्वासों को पहचानने में मदद करेंगे जो आपको पीछे कर रहे हैं या जो आपके शरीर के लिए मुश्किलें पैदा कर रहे हैं। संभव है कि बहुत से लोगों की चेतना (सोपित) करने वाले उन विश्वासों, डरों या आशंकाओं की जानकारी हो, जो उन्हें वो पाने से रोक रहा हो जो उनकी चाहत हो। अक्सर ऐसा होता है कि किसी समस्या की जड़ में कोई अचेतन विश्वास होता है।

(व). **प्रभाव तुरंत होता है :** एक बार जब थीटा उपचार के जरिये व्यक्ति मूल विश्वास को पहचान लेता है तब वो थीटा ब्रेनवेव का इस्तेमाल करके उस विश्वास को तुरंत बदल देता है। इसका प्रभाव उसी वक़्त महसूस किया जा सकता है और व्यक्ति को बहुत जल्दी और स्थायी रूप से राहत मिलती है। बहुत से लोग ये बात नहीं जानते कि उनकी भावनाओं और विश्वासों का उनकी शारीरिक स्थिति पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है। थीटा हीलिंग उन भावनात्मक व मनोवैज्ञानिक तनाव और नकारात्मक विश्वासों का उपचार कर सकता है जिससे आपके शारीरिक स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा हो।

...अगले अंक-30 में हमारे के अंदर पौधो के उपयोग को पढ़ें।